CLASS: 12th Sr. Sec.(Academic) Code No. 2916 Series: SS-M/2016 Roll No.

PHILOSOPHY

[Hindi and English Medium]

ACADEMIC 1st SEMESTER

(Only for Re-appear Candidates)

(Morning Session)

Time allowed: 2½ hours] [Maximum Marks: 80

• कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** तथा प्रश्न **40** हैं।

Please make sure that the printed pages in this question paper are 8 in number and it contains 40 questions.

 प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।

The **Code No.** on the right side of the question paper should be written by the candidate on the front page of the answer-book.

• कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

Before beginning to answer a question, its Serial Number must be written.

- उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।

 Don't leave blank page/pages in your answer-book.
- उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।

Except answer-book, no extra sheet will be given. Write to the point and do not strike the written answer.

- परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें।

 Candidates must write their Roll Number on the question paper.
- कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

Before answering the questions, ensure that you have been supplied the correct and complete question paper, no claim in this regard, will be entertained after examination.

नोट: प्रश्न-पत्र के <mark>चार ख</mark>ण्ड हैं : अ, ब, स एवं द। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

There are four Sections in this question paper: A, B, C and D. All questions are compulsory.

खण्ड - अ

SECTION - A

(निबन्धात्मक प्रश्न)

(Essay Type Questions)

नोट: प्रश्न संख्या 1 से 5 तक निबन्धात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

Question Nos. 1 to 5 are essay type questions. Each question carries 4 marks.

1. भारतीय दर्शन के अनुसार ऋत क्या है ? समझाइए। 4
According to Indian philosophy, what is Rit ?
Explain.

अथवा

OR

जैन दर्शन के अनेकान्तवाद के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। According to Jain Philosophy discuss the theory of Pluralism.

2. बौद्ध दर्शन के अनुसार 'चार आर्य सत्यों' की व्याख्या कीजिए। 4
According to Buddhism, explain 'four noble truths'.

अथवा

OR

वैशेषिक दर्शन के अनुसार द्रव्य पदार्थ की व्याख्या करें। According to Vaisheshika philosophy, explain the substance.

3. न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण के स्वरूप की व्याख्या कीजिए। 4 According to Nyaya philosophy, discuss the nature of perception.

अथवा

OR

सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति के *तीन* गुणों का वर्णन करें।

Explain the *three* Gunas of Prakriti in Sankhya philosophy.

4. अरस्तू के कारणता सिद्धान्त की व्याख्या करें।

4

Discuss Aristotle's theory of Causation.

अथवा

OR

कांट के समीक्षावाद के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। Explain, Kant's theory of Criticism.

5. अनुभववाद के स्वरूप की व्याख्या करें। Explain the nature of Empiricism.

4

अथवा

OR

कारण के स्वरूप की व्याख्या करें।

Explain the nature of Cause.

खण्ड – ब

SECTION - B

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

(Short Answer Type Questions)

नोट: प्रश्न संख्या 6 से 12 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है।

Question Nos. 6 to 12 are short answer type questions. Each question carries 3 marks.

6. भारतीय दर्शन में आस्तिक और नास्तिक दर्शनों के नाम बताइये।

State the names of Orthodox and Heterodox in Indian philosophy.

7 .	भारतीय दर्शन को सामान्यता आध्यात्मिक दर्शन क्यो कहा							
	जाता है ?							
	Why is Indian philosophy generally considered							
	spiritual philosophy?							
8.	वैशेषिक दर्शन के अनुसार कर्म कितने प्रकार के हैं ?							
	According to Vaisheshika philosophy, how many							
	types of action (Karma)?							
9.	योग दर्शन के अनुसार यम कितने प्रकार के हैं ?							
	According to Yoga philosophy, how many types							
	of Yama ?							
	7: 3.0							
10.	वस्तुगत कारण व आकारगत कारण में क्या अन्तर है ?							
	What is the difference between material cause							
	and formal cause?							
11.	अरस्तू के अनुसार कारण कितने प्रकार के हैं ?							
	According to Aristotle, how many types of							
10	Cause?							
12.	ज्ञान के क्षेत्र में बुद्धिवाद की परिभाषा दीजिए।							
	Define rationalism in the field of Knowledge.							
	खण्ड 🗕 स							
	SECTION - C							
	(अति लघूत्तरीय प्रश्न)							
	(Very Short Answer Type Questions)							
नाट :	प्रश्न संख्या 13 से 23 तक अतिलंघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न							
	2 अंक का है।							
	Question Nos. 13 to 23 are very short answer							
10	type questions. Each question carries 2 marks.							
13.	बुद्धिवाद के अनुसार ज्ञान का मूल स्रोत क्या है?							
	According to Rationalism, what is the root							
1.4	source of Knowledge?							
14.	अनुभववाद का जनक कौन है ?							
	Who is the founder of Empiricism?							
2916	P. T. O.							

(6)

P. T. O.

	Who is the founder of critical	method o
	Knowledge?	(Locke/Kant
25.	बुद्धिवाद के समर्थक हैं। (डेकार्ट	्रे/कांट)
	The supporter of Rationalism is	
	(De	scartes/Kant
26.	कारण कार्य की पूर्ववर्ती अवस्था है ।	(सत्य/ असत्य)
	Cause is antecedent to effect.	
		(True/False)
27 .	अरस्तू के कारणता सिद्धान्त में कितने कारण हैं ?	(3/4) 1
	How many causes in Aristotle	's causatior
	theory?	(3/4)
28.	सांख्य दर्शन के अनुसार 'सत्वगुण' ज्ञान का प्रतीक	
		<mark>(सत्य</mark> / असत्य)
	According to Sankhya philosophy,	
	is a <mark>symbol of</mark> Knowledge. वैशे <mark>षिक दर्शन के</mark> अनुसार समवाय एक	(True/False)
29.		
	है।	(सत्य/ असत्य)
	According to Vaisheshika philosoph	
		(True/False)
30.	योग दर्शन के अनुसार योग का अर्थ है 'मिलन'।	•
	According to Yoga philosophy, the	_
		(True/False)
31.	योग के मार्ग को अष्टांग योग कहा जाता है।	,
	Ways of Yoga is called eightfold pract	
	न्याय दर्शन के प्रवर्त्तक हैं। (गौत	(True/False
32.	•	, ,
	The founder of Nyaya philosophy is	
	(Gautam/	Charvaka)

24. ज्ञान के समीक्षावाद सिद्धान्त के प्रवर्त्तक कौन हैं ? (लॉक/कांट) 1

33.	जैन दर्शन में आत्मा को जीव कहा जाता है।	(सत्य/ असत्य)	1							
34.	The soul is called Jiva in Jainisi जैन दर्शन के अन्तिम तीर्थंकर है	,	e,							
	(महावीर)	/ऋषभदेव)	1							
	The last Tirthankar of Jainism i	s								
	(Mahavir	a/Rishabhadeva	ı)							
35.	बौद्ध मत के अनुसार प्रथम आर्य सत्य	है।								
	(दुः	ख/सुख <u>)</u>	1							
	According to Buddhism, first no	ble truth								
	is (Suffer	ring/Happiness)								
36.	बौद्ध दर्शन के प्रवर्त्तक हैं।	बुद्ध/महावीर) 1								
	The founder of Buddhism is									
	(Budd	ha/Mahavira)								
37.	ईश्वर कर्म फल देता है।	(सत्य/ असत्य)	1							
	God gives the result of action.									
		(True/False)								
38.	ऋ <mark>त एक नैतिक नियम</mark> है।	(सत्य/ असत्य)	1							
	Rit is a moral law.	(True/False)								
39.	मोक्ष की अवस्था है।	(मृत्यु/आनन्द)	1							
	Liberation is the stage of									
		(Death/Bliss))							
40.	भारती <mark>य दर्शन एक व्यवहा</mark> रिक दर्शन है।	<u>(सत्य/</u> असत्य)	1							
	Indian philosophy is a practical	<mark>philoso</mark> phy.								
		(True/False	2)							

CLASS: 12th Sr. Sec. (Academic)) (Code	No.	. 3016		
Series:	SS	- M	/2	01	6									
Roll No.														

दर्शनशास्त्र

PHILOSOPHY

[Hindi and English Medium]

ACADEMIC

2nd SEMESTER

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

Evening Session

Time allowed: 2½ hours] [Maximum Marks: 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** तथा प्रश्न **40** हैं।

 Please make sure that the printed pages in this question paper are **8** in number and it contains **40** questions.
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पुष्ठ पर लिखें।
 - The **Code No.** on the right side of the question paper should be written by the candidate on the front page of the answer-book.
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

Before beginning to answer a question, its Serial Number must be written.

• उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।

Don't leave blank page/pages in your answer-book.

• उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।

Except answer-book, no extra sheet will be given. Write to the point and do not strike the written answer.

• परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें।

Candidates must write their Roll Number on the question paper.

• कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

Before answering the questions, ensure that you have been supplied the correct and complete question paper, no claim in this regard, will be entertained after examination.

नोट : प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं : अ, ब, स एवं द। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

There are four Sections in this question paper: A, B, C and D. All questions are compulsory.

खण्ड - अ

SECTION - A

(निबन्धात्मक प्रश्न)

(Essay Type Questions)

नोट : प्रश्न संख्या 1 से 5 तक निबन्धात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

Question No. 1 to 5 are essay type questions. Each question carries 4 marks.

- लोक संग्रह से आप क्या समझते हैं ?
 What do you understand by Lok Sangraha ?
- 2. अद्वैत वेदान्त के अनुसार जगत के स्वरूप की व्याख्या करें।
 Explain the nature of World, according to Advaita Vedanta.
- 3. ईश्वर के अस्तित्त्व सम्बन्धी प्रयोजन मूलक युक्ति की व्याख्या करें।

 Explain Teleological argument for the existence of God.
- 4. दण्ड के सुधारवादी सिद्धान्त की व्याख्या करें।

 Explain the Reformative theory of punishment.
- 5. साध्य और साधन सम्बन्ध की व्याख्या करें।

 Explain the relationship between ends and means.

अथवा

OR

संकल्प की स्वतंत्रता की व्याख्या करें। Explain the theory of free-will.

खण्ड - ब

SECTION - B

(लघूत्तरात्मक प्रश्न)

(Short Answer Type Questions)

नोट: प्रश्न संख्या 6 से 12 तक लघु उत्तरात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

Question No. **6** to **12** are short answer type questions. Each question carries 3 marks.

- 6. गीता के अनुसार सकाम कर्म क्या है ?
 According to Gita, what is Sakama Karma ?
- 7. द्वैतवाद क्या है ?

What is Dualism?

- 8. मन व शरीर के सम्बन्ध की व्याख्या करें। Explain mind & body relation.
- 9. आत्मा के कोशों का उल्लेख करें। Enumerate Koshas of self.
- 10. सुखवाद के अनुसार नैतिकता क्या है ?
 According to Hedonism, what is morality ?
- 11. दण्ड कितने प्रकार का है ?

 How many types of punishment are there ?
- 12. प्रत्ययवाद को स्पष्ट करें। Explain Idealism.

खण्ड - स

SECTION - C

(अति लघूत्तरीय प्रश्न)

(Very Short Answer Type Questions)

नोट : प्रश्न संख्या 13 से 23 तक अति लघूत्तरात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

Question No. **13** to **23** are very short answer type questions. Each question carries 2 marks.

- 13. गीता का उपदेश किसने किसको दिया ? Who has Preached Gita to whom?
- 14. योग का अर्थ स्पष्ट करें।
 Explain the meaning of Yoga.
- 15. कर्म व निष्काम कर्म में क्या अन्तर है ?
 What is difference between Karma and Nishkama Karma ?
- 16. आत्मा की कितनी अवस्थाएँ है ? How many stages of self are there ?
- 17. पीनीयल ग्रन्थि किसे कहते हैं ? What is the pineal gland?
- **18.** उचित क्या है ? What is Right ?
- 19. अपराध एवं दण्ड में क्या सम्बन्ध है ? What is relation between crime and punishment ?

(6) **3016**

20. आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद के समर्थक कौन है ? Who is the supporter of subjective Idealism ?

- 21. दण्ड का प्रतिकारवादी सिद्धान्त कितने प्रकार का है ?

 How many types of retributive theory of punishment are there ?
- **22.** नैतिकता के लिए क्या आवश्यक है ? What is necessary for morality?
- **23.** कर्त्तव्य क्या है ? What is Duty ?

खण्ड – द SECTION – D (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

(Objective Type Questions)

नोट : प्रश्<mark>न संख्या 24 से 4</mark>0 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

Question No. 24 to 40 are objective type questions. Each question carries 1 mark.

- 24. कर्म दो प्रकार का है सकाम व निष्काम कर्म। (सत्य/असत्य)
 There are two types of Karma (action) Sakama and Nishkama Karma.
- 25. निष्काम कर्म पर बल देता है। (इन्द्रिय नियंत्रण/इन्द्रिय समर्थन)

	(8)		3010
34.	शरीर का गुण धर्म है।	(विः	स्तार/विचार)
	The attribute of mind is	• • • • • • •	
		(Expansion/	Thought)
35.	सामान्य दृष्टिकोण से मन व शरीर का स	म्बन्ध वास्तविक है	
	G	5)	नत्य/असत्य)
	From common sense, the body is real.		mind & e/False)
36.	सुधारवादी सिद्धान्त के अनुसार प्राणदण	इ न्याय संगत है।	
		,	नत्य/असत्य)
	According to Reformative	,	,
	punishment is justified.		e/False)
37	दण्ड का उद्देश्य अपराध को रोकना है।	(7	नत्य/असत्य)
01.		,	, ,
	The aim of punishment is 's		e/False)
00	THE OWN AS & COUNTY OUT A THE F	,	,
38.	सर्वोच्च शुभ वह है जिसमें धर्म व सुख ि	,	,
	The highest good is that happiness are inherent.		uty and e/False)
39.	गीता के अनुसार आत्मा नश्वर है।	(₹	नत्य/असत्य)
	According to Gita, Soul is m	i <mark>ort</mark> al. <i>(Tru</i>	e/False)
40.	स्पिनोज़ा समानान्तरवाद के सिद्धान्त को	स्वीकारता है। (र	नत्य/असत्य)
	Spinoza accepts theory of pa	,	, , , , , , ,
	Spinoza accepts theory of pa		e/False)
		(0.	,